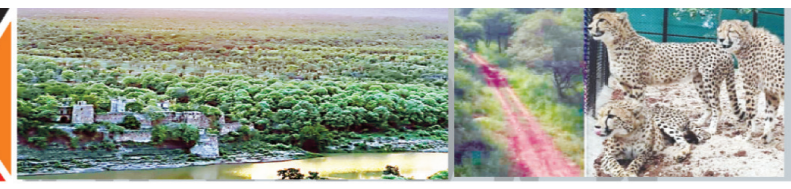

बदहाली के आंसू रो रही वरगवां की सड़क

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। विकास के दावों के बीच कराहल तहसील के ग्राम वरगवां से एक ऐसी तस्वीर सामने आ रही है, जो प्रशासनिक दावों की पोल खोलती है। ग्राम वरगवां में मुख्य

कीचड़ से सराबोर होकर स्कूल जाने को मजबूर बच्चे, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

सड़क इस कदर बदहाल हो चुकी है कि यहाँ से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उनमें भरा पानी व कीचड़ अब स्कूली बच्चों के साथ-साथ आम ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है।

बरसात के इस मौसम में स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि हर वक्त किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

नौनिहालों के भविष्य पर भारी पड़ती प्रशासनिक लापरवाही : रोजाना सुबह जब बच्चे साफ-सुथरी ड्रेस पहनकर स्कूल के लिए निकलते हैं, तो उन्हें गाँव के ही इस कीचड़ भरे दलदल से होकर गुजरना पड़ता है। पैदल चलने वाले बच्चे हों या साइकिल से स्कूल जाने वाले, हर कोई इस रास्ते पर फिसलकर चोटिल हो रहा है। कई बार बच्चों की किताबें और कपड़े कीचड़ में खराब हो जाते हैं, जिसके कारण उन्हें आधे रास्ते से ही रोते हुए घर लौटना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाले अधिकारियों को इन मासूमों की तकलीफदिखाई नहीं दे रही।

शिकायतों के बाद भी मौन बैठी पंचायत और सरपंच : सड़क की इस दुर्दशा को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उन्होंने सड़क की मरम्मत और सुधारीकरण के लिए ग्राम पंचायत से लेकर सरपंच तक कई बार गुहार लगाई। लिखित और मौखिक शिकायतों के बाद भी आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जनभावनाओं और बच्चों की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है और बार-बार की मिन्नतें बेअसर साबित हो रही हैं।

ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

गाँव के आक्रोशित नागरिकों ने अब जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द इस सड़क का स्थायी निर्माण या तत्काल मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराया गया, तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे। अब देखना यह होगा कि क्या श्योपुर जिला प्रशासन और कराहल जनपद के जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेकर बच्चों को सुरक्षित रास्ता मुहैया कराते हैं, या फिर वरगवां के ग्रामीण इस नारकीय स्थिति में जीने को यूं ही मजबूर रहेंगे।

बिजली कटौती से बर्बाद हो रही धान की फसल

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। श्योपुर जिले के बमोरी क्षेत्र में बिजली की आंख-मिचौनी और अनियमित आपूर्ति से परेशान किसानों का

भड़के किसानों ने गोठरा फीडर पर दिया धरना

गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। खेतों में खड़ी धान की फसल को सूखता देख आक्रोशित किसान बड़ी संख्या में गोठरा बिजली फीडर पर जा पहुंचे और वहां जमकर नारेबाजी की। किसानों ने साफकर दिया है कि जब तक उन्हें पर्याप्त और समय पर बिजली नहीं मिलेगी, वे फीडर से नहीं हटेंगे और वहीं धरने पर बैठे रहेंगे।

फसल बर्बादी के कगार पर, किसानों में भारी नाराजगी : धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती और बार-बार लाइट कटने की वजह से फसलों को पानी नहीं मिल पा रहा है। इस समय धान की फसल को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है। समय पर बिजली न मिलने के कारण खेतों में खड़ी धान की कीमती फसल अब सूखने और खराब होने की कगार पर पहुंच गई है।

जब तक बिजली नहीं, तब तक धरना जारी रहेगा

बार-बार लाइट काटने से हमारी पूरी मेहनत पर पानी फिर रहा है। हम दिन-रात मेहनत करके फसल उगाते हैं, लेकिन बिजली विभाग की लापरवाही सब बर्बाद कर रही है। जब तक हमें समय पर और शेड्यूल के मुताबिक पूरी बिजली देने का लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक सभी किसान यहीं डटे रहेंगे। किसानों के इस उग्र प्रदर्शन के बाद बिजली विभाग के स्थानीय अमले में हड़कंप मच गया है। फिलहाल किसान अपनी मांगों को लेकर गोठरा फीडर पर जमे हुए हैं और उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं।

एक नजर में

जान से मारने की धमकी दी

विजयपुर, 12 जुलाई। गिरधारी पुत्र केदार धानुक उम्र 30 साल नि. बड़ागांव ने रिपोर्ट की कि दि. 11.07.26 के 13.00 बजे स्थान फरि. के घर के सामने पर आरोपीगण 1. गौरीशंकर धानुक 2. राधेश्याम उर्फ कल्लू 3. सतेन्द्र धानुक 4. जानेश धानुक नि. गण. बड़ागांव ने फरि. को उधारी के पैसे मांगने की बात पर गंदी गंदी गालियां दी मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

गाड़ी के शीशे पर पटका पत्थर, दी गालियां

विजयपुर। सुरेश पुत्र रामप्रसाद शर्मा उम 55 साल नि. जलालपुरा ने रिपोर्ट की कि दि. 11.07.26 के 19.30 बजे स्थान फरि. के घर के बाहर ग्राम जलालपुरा पर आरोपी 1. अनिल पुत्र सुरेश शर्मा नि. सदर ने फरि. को घर परिवार की बात को लेकर गंदी गंदी गालियां दी एवं गाड़ी के शीशे पत्थर से तोड़ दिये जिससे फरि. को 40,000/- रू. का नुकसान हो गया। पुलिस ने आपोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

गाय को मारी टक्कर, 3 घायल

विजयपुर। शिवनारायण पुत्र जगमोहन राठौर उम्र 31 साल नि. अस्पताल के सामने विजयपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 04.07.26 के 19.30 बजे स्थान छिमछिमा मंदिर के पास पर आरोपी बन्टी कुशवाह वार्ड क्र. 07 विजयपुर मो.सा. चालक ने तेजी एवं लापरवाही से चलाकर गाय में टक्कर मार दी जिससे फरि. एवं आरोपी और आरोपी के साथ बैठा रामबरन घायल हो गये।

खेत की मेड़ को लेकर कुल्हाड़ी, डंडों से की मारपीट

विजयपुर। हरिओम पुत्र रामगोपाल माली उम्र 41 साल नि. जैनी ने रिपोर्ट की कि दि. 11.07.26 के 08.00 बजे स्थान फरि. का बन्दा वाला खेत जैनी पर आरोपीगण 1. रामसिंह पुत्र रामगोपाल मीणा 2. महावीर पुत्र रामसिंह मीणा नि. जैनी ने फरि. को पानी के पाईप को मेढ़ पर रखने की बात पर गंदी गंदी गालियां दी कुल्हाड़ी डंडो से मारपीट की एवं जान से मारने की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर चालक ने मारी टक्कर, हुआ मौत

विजयपुर। हरिओम पुत्र जगन्नाथ मैहर उम्र 44 साल नि. राजहोटल के पीछे सलापुरा श्यो. ने रिपोर्ट की कि दि. 06.07.26 के 18.20 से 18.30 बजे स्थान नागदा रोड़ नहर पुलिया के पास श्यो. पर आरोपी ट्रेक्टर का चालक एम.पी. 31 जेड बी 2591 का चालक ने तेजी एवं लापरवाही से चलाकर फरि. के चाचा में टक्कर मार दी जिससे फरि. के चाचा सियाराम पुत्र कतलाराम मैहर उम्र 68 साल नि. श्रीरामकृष्ण धर्मशाला के पीछे की मृत्यु हो गयी। दि. 11.07.26 के 23.00 बजे (मर्ग क्र. 18/26) अप. क्र. 218/26 धारा 106(1),281,125 (ए) बीएनएस कायम कर विवे. प्र.आर. दीपेश कुमार को दी।

मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक उद्यम योजना

श्योपुर। मध्यप्रदेश शासन पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम म.प्र. भोपाल द्वारा पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्गों के हितग्राहियों को मुख्यमंत्री उद्यम योजना एवं स्वरोजगार योजना का क्रियान्वयन विभागीय समस्त पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

विजयपुर की राजनीति में जुबानी जंग तेज, लगाए गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। विजयपुर

विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त सीताराम

समाज और जमीन के मुद्दों पर घमासान

आदिवासी और विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा के बीच चल रही जुबानी जंग अब खुलकर सामने आ गई है। एक मीडिया साक्षात्कार में विधायक मुकेश मल्होत्रा ने सीताराम आदिवासी पर कई गंभीर आरोप लगाए और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान पर भी सवाल उठाए।

विधायक मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि सीताराम आदिवासी ने समाज के लिए कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि यदि मे कांग्रेस से चुनाव नहीं लड़ता तो सीताराम आदिवासी आज राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त नहीं होते। मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि सीताराम आदिवासी के पास कराई, पिपरानी, ककरदा सहित कई गांवों में वन भूमि, शासकीय राजस्व भूमि पर कब्जा है तथा जंगल कटवाकर सैकड़ों बीघा भूमि अपने कब्जे में ली गई है।

मल्होत्रा ने पूर्व विधायक रामनिवास रावत का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उनके साथ मिलकर उनके विरुद्ध न्यायालय में याचिका दायर कराई गई, जिसके कारण उनकी विधायक निधि और अन्य विकास निधियां प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायालयी मामलों में उलझाकर क्षेत्र के विकास कार्यों में बाधा पहुंचाई जा रही है। माता शबरी मंदिर की भूमि को लेकर भी विधायक ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य नेताओं के प्रयासों से माता शबरी मंदिर के लिए भूमि आवंटित की गई थी। उनका कहना था कि कराहल, गुना, शिवपुरी, घाटीगांव सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस विषय पर कार्य हुआ है और वे समाज के सहयोग से माता शबरी की भूमि वापस लेकर वहां भव्य मंदिर का निर्माण कराएंगे।

विधायक ने सीताराम आदिवासी की राजनीतिक क्षमता पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वे सरपंच का चुनाव तक नहीं जीत सकते। उन्होंने वर्ष 2003 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय सीताराम आदिवासी को लगभग 16 हजार वोट मिले थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि श्योपुर स्थित टेलीफोन एक्सचेंज की भूमि और अन्य विवादित जमीनों के मामलों में भी सीताराम आदिवासी की भूमिका रही है तथा कुछ लोगों को धमकाने के आरोप भी लगाए। भाजपा के कुछ स्थानीय नेताओं का नाम लेते हुए मल्होत्रा ने आरोप लगाया कि आदिवासियों की जमीनों पर कब्जे के मामलों में कई भाजपा नेताओं की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि वे आदिवासी समाज के हितों के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

विधायक ने अपने सामाजिक और राजनीतिक कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 में उन्होंने सैकड़ों युवाओं के साथ बड़ा आंदोलन किया था, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने उनकी मांगों को गंभीरता से लिया। उन्होंने दावा किया कि उनके प्रयासों से 289 आरक्षक और 144 पटवारियों की नियुक्ति में समाज के युवाओं को अवसर मिला।

आदिवासी क्षेत्रों में है कुपोषण की समस्या

आदिवासी समाज के विकास पर बोलते हुए मल्होत्रा ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण की बड़ी समस्या है। उनका मानना है कि यदि आदिवासी परिवारों को पर्याप्त पोषण, फल, सब्जियां और बेहतर भोजन उपलब्ध कराया जाए तो कुपोषण की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। गौर तलब है कि एक दिन पहले राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त सीताराम आदिवासी ने भी विधायक मुकेश मल्होत्रा पर कई आरोप लगाए थे। इसके जवाब में अब विधायक ने भी खुलकर अपनी बात रखी है। दोनों नेताओं के बीच लगातार बढ़ रही यह राजनीतिक बयानबाजी विजयपुर की राजनीति में नया मोड़ लेती दिखाई दे रही है।

तलाबड़ा गांव के पास हुआ बड़ा हादसा

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। जिले के तलाबड़ा गांव में एक बार फिर खराब और जर्जर सड़कों की वजह से बड़ा हादसा सामने आया है। यहाँ मुख्य मार्ग पर स्थित एक गहरे गड्ढे को बचाने के चक्कर में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के दौरान मौके पर चीख-पुकार मच गई। गनीमत यह रही कि ट्रैक्टर की रफ्तार बहुत

सड़क के गहरे गड्ढे में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर

अधिक नहीं थी, वरना कोई बड़ी जनहानि हो सकती थी।

गड्ढे बने जानलेवा, टला बड़ा हादसा : स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, तलाबड़ा गांव के इस मार्ग पर लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे हैं, जो अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। ट्रैक्टर चालक जैसे ही गांव के पास पहुंचा, सड़क पर बने एक बड़े और गहरे गड्ढे से बचने के लिए उसने वाहन को मोड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर सीधे गड्ढे में जा गिरा और पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई हैं, जिसे इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी : ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर जल्द ही तलाबड़ा गांव की इस मुख्य सड़क की मरम्मत नहीं की गई और इन जानलेवा गड्ढों को नहीं भरा गया, तो सभी ग्रामीण मिलकर चक्काजाम और उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ भारी गुस्सा

इस घटना के बाद तलाबड़ा और आसपास के ग्रामीणों में लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन के खिलाफभारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस खराब सड़क और गड्ढों की शिकायत कई बार अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन आज तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। आए दिन यहाँ दोपहिया और चार पहिया वाहन इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (पीएम-एसवाईएम) योजना श्रमिकों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और जनकल्याणकारी पहल साबित हो

कम अंशदान में 60 वर्ष की आयु के बाद 3 हजार रुपये मासिक पेंशन की गारंटी

रही है। योजना के माध्यम से लाखों श्रमिकों को वृद्धावस्था में सम्मानजनक जीवन जीने का आर्थिक आधार उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिले के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है कि यह योजना श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। योजना का लाभ ऐसे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को दिया जाता है, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच हो, मासिक आय 15 हजार रुपये तक हो तथा जो आयकरदाता न हों। इसके अलावा ईपीएफओ, ईएसआईसी अथवा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के सदस्य भी इस योजना के लिए पात्र नहीं हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत लाभार्थी को अपनी आयु के अनुसार प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक अंशदान जमा करना होता है। विशेष बात यह है कि श्रमिक द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान भारत सरकार भी प्रदान करती है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्राप्त होती है, जिससे उसे वृद्धावस्था में आर्थिक संबल मिलता है। योजना में पंजीयन की सुविधा एमपी ऑनलाइन और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से उपलब्ध है। इच्छुक श्रमिक आधार कार्ड, बैंक खाते की जानकारी और मोबाइल नंबर के साथ अपने निकटतम एमपी ऑनलाइन केंद्र अथवा कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर आसानी से पंजीयन करा सकते हैं। जिले के सभी असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से अपील है कि योजना का अधिक से अधिक लाभ लें। ये योजना श्रमिकों के सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की मजबूत आधारशिला है। योजना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए श्रमिक निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर अथवा श्रम कार्यालय, श्योपुर से संपर्क कर सकते हैं।

आज से शुरू होगा दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान का तीसरा चरण

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा

पशुपालकों को दी जाएगी आधुनिक तकनीक की जानकारी

देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित यह विशेष अभियान आगामी 13 से 18 जुलाई तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, मध्यप्रदेश की समृद्धि के संकल्प को साकार करना है।

अभियान के दौरान विभाग के विशेषज्ञ और मैदानी अमला सीधे पशुपालकों से संपर्क करेंगे और उन्हें डेयरी व्यवसाय को अधिक लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों से अवगत कराएंगे। अभियान के दौरान स्थानीय मवेशियों की नस्ल में सुधार कर दुग्ध उत्पादन क्षमता बढ़ाने के उपाय। मवेशियों के लिए संतुलित आहार, हरा चारा प्रबंधन और पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ। पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता। उन्नत तकनीक के माध्यम से बछड़ियों के जन्म को बढ़ावा देने की तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी, जिससे भविष्य में दुग्ध उत्पादन में तेजी से वृद्धि हो सके। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पशुपालकों और किसानों से अपील की है कि वे 13 से 18 जुलाई तक इस अभियान में हिस्सा लें और शासकीय योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री विमुक्त घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना

श्योपुर, 12 जुलाई। मुख्यमंत्री विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन भरे जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के तहत व्यक्तिमूलक प्रकरण में अधिकतम एक लाख रूपये राशि स्वरोजगार के लिए प्रदाय की जायेगी। सहायक संचालक विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु विभाग यश जैन ने बताया कि योजना के तहत 8 हितग्राहियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना में परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम राशि 20 हजार रूपये का अनुदान दिया जायेगा। योजना में ऋण राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज देय होगा। इसके लिए जिले के मूल निवासी 18 से 55 वर्ष के इच्छुक व्यक्ति जो आयकरदाता न हो, समस्त पोर्टल पर अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकते है। योजना में लाभ लेने के समक्ष प्राधिकारी द्वारा जारी विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जाति क प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

लाड़ली बहना योजना की 38वीं किस्त का अंतरण

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आज भिण्ड जिले के लहार में आयोजित राज्य स्तरीय लाड़ली बहना योजना कार्यक्रम के माध्यम से 38वी किस्त के रूप में प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों को 1835 करोड़ राशि का अंतरण किया गया।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में श्योपुर जिले में जिला एवं विकासखण्ड मुख्यालयों, ग्राम पंचायतों पर कार्यक्रम आयोजित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्योपुर जिले की 01 लाख 07 हजार 758 लाडली बहनाओं को उनके बैंक खाते में 1500-1500 रूपये की राशि प्राप्त हुई। श्योपुर की लाडली बहनाओं को माह जुलाई के लिए कुल 15 करोड 90 लाख 83 हजार 800 रूपये की राशि अंतरित की गई।

योजना के तहत श्योपुर जिले में कुल 1 लाख 7 हजार 758 बहनों को लाभ मिला है। नगरपालिका श्योपुर क्षेत्र की 11 हजार 668, नगर परिषद बडौदा क्षेत्र की 3355, नगर परिषद विजयपुर क्षेत्र की 2794, जनपद पंचायत क्षेत्र श्योपुर की 43 हजार 474, जनपद पंचायत कराहल क्षेत्र की 11 हजार 527 तथा जनपद पंचायत विजयपुर क्षेत्र की 34 हजार 940 लाडली बहनाओं को यह राशि प्राप्त हुई है।

खितरपाल के जंगल में नकाबपोशों का खूनी हमला, पशु चरा रहे युवक को पीटा

नवभारत न्यूज
विजयपुर, 12 जुलाई। विजयपुर थाना क्षेत्र के खितरपाल जंगल में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। जंगल में पशुओं की खिरकाई (रात्रि विश्राम) के दौरान दो नकाबपोश बदमाशों ने पशुओं की देखरेख कर रहे एक युवक पर अचानक हमला कर दिया।

बदमाशों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल विजयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

देर रात जंगल में वारदात से फैली दहशत, गंभीर घायल युवक अस्पताल में भर्ती, पुलिस ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, युवक शनिवार रात खितरपाल के जंगल में अपने पशुओं की निगरानी कर रहा था। इसी दौरान देर रात दो नकाबपोश बदमाश वहां पहुंचे और बिना किसी कहासुनी के उस पर हमला बोल दिया। लाठी-डंडों से लगातार किए गए हमले में युवक के शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी जंगल के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही विजयपुर थाना प्रभारी राजन सिंह गुर्जर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जंगल में आरोपियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। देर रात तक पुलिस आसपास के क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश करती रही, लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल सका। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद विजयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया जा सकता है। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है। जंगल में पशुपालन और खेती-किसानी से जुड़े लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो रात के समय जंगल में पशुओं की देखरेख करना मुश्किल हो जाएगा।

सभी पहलुओं पर की जा रही जांच

पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। हमले के पीछे पुरानी रंजिश, लूट का प्रयास या अन्य किसी कारण की संभावना को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। थाना प्रभारी राजन सिंह गुर्जर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। घायल का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा आरोपियों की तलाश जारी है। साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।